[This question paper contains 4 printed pages.]

2017

Your Roll No.....

DESHBANDHU COLLEGE LIBRARY Kalkaji, New Delhi-19

Sr. No. of Question Paper : 8628 **GC-4**

Unique Paper Code : 62131201

Name of the Paper : Sanskrit Prose

Name of the Course : **B.A. (Programme) Sanskrit (DSC-2)**

Semester : II

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Answers **all** questions.
3. Unless otherwise required in a question, answer should be written **in Sanskrit or in Hindi or in English**, but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।
2. **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
3. अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्न-पत्र का उत्तर **संस्कृत** या **हिन्दी** या **अंग्रेजी** किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

P.T.O.

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए: (8×2=16)

Explain with reference to context any **two** of the following:

(क) सततममूलमन्त्रशम्य: विषमो विषयविषास्वादमोह:। नित्यमस्नानशौचबाध्य: बलवान् रागमलावलेप:। अजस्रमक्षपावसानप्रबोधा घोरा च राज्यसुखसन्निपातनिद्रा भवति, इत्यत: विस्तरेणाभिधीयसे।

(ख) गुरुवचनममलमपि सलिलमिव महदुपजनयति श्रवणस्थितं शूलमभव्यस्य। इतरस्य तु करिण इव शङ्खाभरणमाननशोभासमुदयमधिकतरमुपजनयति। हरति च सकलम् अतिमलिनमप्यन्धकारमिव दोषजातं प्रदोषसमयनिशाकर इव।

(ग) न परिचयं रक्षति। नाभिजनमीक्षते। नरूपमालोकयते। नकुलक्रममनुवर्तते। न शीलं पश्यति। न वैदग्ध्यं गणयति। न श्रुतमाकर्णयति। न धर्ममनुरुध्यते। न त्यागमाद्रियते। न विशेषज्ञतां विचारयति। नाचारं पालयति। न सत्यमवबुध्यते। न लक्षणं प्रमाणीकरोति। गन्धर्वनगरलेखेव पश्यत एव नश्यति।

2. बाणभट्ट की गद्यशैली का मूल्यांकन कीजिए। (12)

Evaluate the **prose style** of बाणभट्ट

अथवा / OR

शुकनासोपदेश के अनुसार 'गुरूपदेश' का अधुनिक सन्दर्भ में महत्त्व बताइए।

Describe the importance of **'गुरुपदेश'** in modern context according to to शुकनासोपदेश।

3. (क) निम्नलिखित में से किसी **एक** का अनुवाद कीजिए: (6)

Translate any **one** of the following:

(क) "अहो! चिररात्राय सुप्तोऽहम्, स्वप्नजालपरतन्त्रेणैव महान् पुण्यमय: समयोऽतिवाहित:, सन्ध्योपासनसमयोऽयमस्मद्गुरुचरणानाम्, तत्सपदि अवचिनोमि कुसुमानि" इति चिन्तयन् कदलीदलमेकमाकुञ्चय, तृणशकलै: सन्धाय, पुटकं विधाय, पुष्पावचयं कर्त्तुमारेभे।

(ख) **निरीक्ष्यतां** कदाचिस्मन्नेव भारतवर्षे यायजूकै राजसूयादियज्ञा व्ययाजिषत, कदाचिदिहैव वप्रवाताऽऽतप – हिमसहानि तपांसि अतापिषत। सम्प्रति तु म्लेच्छैर्गावो हन्यन्ते, वेदा विदीर्य्यन्ते, स्मृतय: सम्मृद्यन्ते, मन्दिराणिमन्दुरीक्रियन्ते, सत्य: पात्यन्ते, सन्तश्च सन्ताप्यन्ते।

4. अम्बिकादत्त व्यास के व्यक्तित्व एवं कर्त्तृत्व का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत कीजिए। (12)

Give a brief account of the life ans works of अम्बिकादत्तव्यास।

अथवा / OR

शिवराजविजय में वर्णित 'भारतदशा' का उल्लेख कीजिए।

Write a note on the **'Condition of India'** as mentioned in शिवराजविजय।

5. प्रत्येक खण्ड में से किन्हीं **तीन** का चयन करते हुए कुल छः पर लघु टिप्पणियाँ कीजिए: (6×2=12)

Write short note on the **six** by selecting three from each parts.

(क) विदितवेदितव्यः, ऐश्वर्यतिमिरान्धत्वम्, अनर्थपरम्परा, गन्धर्वनगरलेखा, अमृतसदोदरा

(ख) सतीर्थ्यः घुणाक्षरन्यायः, काकासन्, कथावशेषः, व्यालीढमर्यादा

6. प्रश्नसंख्या 1 तथा 3 के किन्हीं **पाँच** रेखांकित पदों पर व्याकरणात्मक टिप्पणी कीजिए। (5)

Write grammatical notes on any **five** of the underlined words in question No. 1 & 3.

7. कवीनामगलद्दर्पो नूनं वासवदत्तया इस कथन की समीक्षा कीजिए। (12)

Critically examine the statement 'कवीनामगलद्दर्पोनूनंवासवदत्तया'।

अथवा / OR

निम्नलिखित पर टिप्पणी कीजिए:

Write a note on the following:

(क) दण्डी अथवा / **OR** बाणभट्ट

(ख) हितोपदेश अथवा / **OR** वेतालपञ्चविंशतिका